मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 170, मुंबई, शुक्रवार, 18 अगस्त, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल ®
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

समृद्धि महामार्ग पर हादसों का सिलसिला जारी

दीवार से भिड़ी ट्रक, 2 की मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के समृद्धि महामार्ग पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को अमरावती में समृद्धि महामार्ग पर मांजरखेड के पास एक ट्रक भयानक हादसे का शिकार हो गया है। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर महामार्ग पर बने सीमेंट की सुरक्षा दीवार से टकरा गया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान ट्रक चालक मोहम्मद फैजान अली और क्लीनर मोहम्मद मुमताज शेख के तौर पर हुई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ईडी के बाद मुंबई पुलिस का एक्शन

राउत का करीबी पाटकर अरेस्ट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई जंबो कोविड सेंटर घोटाला मामले में पुलिस ने उद्धव गुट के नेता संजय राउत के करीबी सुजित पाटकर को गिरफ्तार कर लिया है। पाटकर को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने करोड़ों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था। इसके बाद मुंबई की आजाद मैदान पुलिस ने मामला दर्ज किया था। ईडी ने पहले मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पाटकर को गिरफ्तार किया था। मुंबई की कोर्ट ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के पारिवारिक मित्र और व्यवसायी सुजित पाटकर को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

उत्तराखंड और हिमाचल में हाहाकार

हिमाचल में 55 दिन में 113 लैंडस्लाइड, 330 की मौत

चौड़ी सड़कों ने पहाड़ों की नींव हिलाई

मुंबई हलचल/संवाददाता

उत्तराखंड। पहाड़ों में बढ़ता कंस्ट्रक्शन और घटता वन क्षेत्र हिमालय की उम्र घटा रहा है। इसके पहाड़ दरक रहे हैं। हिमाचल इसका उदाहरण है। यहां दो साल में भूस्खलन की घटनाएं 6 गुना बढ़ गई हैं। इस मानसून के 55 दिन में 113 बार भूस्खलन हुआ है। बारिश और लैंडस्लाइड से जुड़ी घटनाओं में 330 लोगों की मौत हो चुकी है। भूवैज्ञानिक विशेषज्ञ प्रो. वीरेंद्र सिंह धर के मुताबिक, चौड़ी सड़कों के लिए हिमाचल के पहाड़ों को सीधा काटा जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हिमाचल के पहाड़ों को नुकसान पहुंचने की वजहें

- अवैज्ञानिक निर्माण– पहाड़ों को सीधा काटा, इसमें चट्टानों की नींव भी कट गई।
- पानी रुक गया– ढलान खत्म होने से पानी बह नहीं रहा, सीधे पहाड़ों में बैठ रहा।
- बहाव पर अतिक्रमण– पानी के बहाव पर बस्तियां बस गई, निकासी का रास्ता बंद हो गया।

मंत्री धनंजय मुंडे की पिच पर पवार की बैटिंग

पीएम मोदी पर साधा निशाना, फडणवीस की ली चुटकी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने आज महाराष्ट्र के बीड में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। भतीजे अजित पवार की अगुवाई में पार्टी में हुए विभाजन के बाद पवार पहली बार बीड दौरे पर पहुंचे हैं। दिलचस्प बात यह है कि बीड एनसीपी नेता व राज्य के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे और बीजेपी नेता पंकजा मुंडे का गढ़ है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पीएम मोदी फडणवीस से मार्गदर्शन लें– पवार

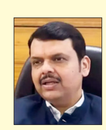

बीजेपी की आलोचना करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह फिर आएंगे, लेकिन महाराष्ट्र के एक मुख्यमंत्री भी यही कह रहे थे। मैं मोदी से कहना चाहता हूं कि दोबारा आने (सत्ता में) से पहले आप देवेंद्र फडणवीस का मार्गदर्शन लें।

धनंजय मुंडे पर किया कटाक्ष

शरद पवार ने बीड की सभा से अजित पवार के साथ सत्ता में शामिल हुए कृषि मंत्री धनंजय मुंडे पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा, बीड जिले के नेता ने पार्टी छोड़ दी। एक ने उनसे पूछा कि आपने पार्टी क्यों छोड़ी? इस पर उन्होंने कहा कि साहब बूढ़े हो गये हैं। मैं जानना चाहता हूं कि आपने मुझ में ऐसा क्या देखा जो आप कह रहे हैं कि मैं बूढ़ा हो गया हूं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जंगे आजादी के नारे और उसके देने वाले क्रांतिकारी

भारत की जंगे आजादी के वक्त कुछ महान क्रांतिकारियों ने ऐसे ऐसे नारे ईजाद किया जिसे लगाने भर मे क्रांतिकारियों के अंदर वतन की आजादी और उस पर मर मिटने की का जज्बा पैदा हो जाता था। ऐसे ही कुछ नारे और उसको इजाद करने वाले क्रांतिकारियों की जानकारी प्रस्तुत की जा रही है।

1. मादरे वतन की जय मादरे वतन की जय का का नारा 1857 में महान क्रांतिकारी कानपुर के अजीमुल्ला खान ने दिया था।
2. जय हिंद का नारा जय हिंद का नारा हैदराबाद के आबिद हसन साफ़रानी ने दिया था।
3. इंकलाब जिंदाबाद इंकलाब जिंदाबाद का नारा महान क्रांतिकारी कानपुर के मौलाना हसरत मोहनी रहमतुल्ला अलेह ने दिया था।
4. भारत छोड़ो आंदोलन भारत छोड़ो आंदोलन का नारा और साइमन गो बैक का नारा महान क्रांतिकारी मुंबई के युसूफ महेर अली ने दिया था।
5. सरफरोशी की तमन्ना सरफरोशी की तमन्ना का नारा महान क्रांतिकारी पटना के बिस्मिल अजीमाबादी ने 1921 में दिया था।
6. तनख्वाह मौत और पेंशन आजादी इस नारे को जंगे आजादी के महान क्रांतिकारी प्रोफेसर बरकतुल्लाह भोपाली ने दिया था।
7. बहादुर शाह जफर जिसके चार बेटों का सर काट के अंग्रेज हडसन ने थाल में सजा कर दिया था उन्होंने कहा था - कितना है बदनसीब जफर दफ्न के लिए। दो गज जमी न मिली कुए यार में। कुए यार (मातृभूमि) (संदर्भ - लहू बोलता भी है किताब से)

प्रस्तुति - साजिद खान
धनपुरी शहडोल

चुनाव आयोग का निष्पक्ष दिखना भी जरूरी

एक जीवंत लोकतंत्र की पहली जरूरत यह होती है कि वहां चुनाव कराने वाली संस्था निष्पक्ष रहे और निष्पक्ष दिखे भी। इसी से चुनावों की शुचिता बनी रहती है और आम लोगों का चुनाव प्रक्रिया में भरोसा बना रहता है। लोकतंत्र की सफलता इस बात में निहित है कि आम नागरिक यह यकीन करे कि सरकार उसने चुनी है। जिस दिन यह विश्वास टूटेगा उस दिन चाहे कितना भी बड़ा लोकतंत्र क्यों न हो उसकी बुनियादी हिल जाएगी। पिछले कुछ समय से भारत में चुनाव आयोग की निष्पक्षता और उसकी स्वतंत्रता को लेकर कई तरह के सवाल उठे हैं। अपने ढंग से चुनाव आयोग ने उनका जवाब दिया है और लोगों के मन में मोटे तौर पर भरोसा बनाए रखा है। परंतु मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का जो नया बिल केंद्र सरकार लेकर आई है उससे सरकार की मंशा पर संदेह पैदा होता है।

हालांकि यह सही है कि पहले भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केंद्र सरकार करती थी और नए बिल के कानून बन जाने के बाद भी नियुक्ति का अधिकार सरकार के हाथ में ही रहेगी। यानी वास्तविक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आने वाला है। फिर भी चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने एक अस्थायी व्यवस्था बना कर नया रास्ता दिखाया था तो सरकार का उस रास्ते से हटना संदेह को जन्म देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल दो मार्च को एक अहम फैसला सुनाया था और कहा था कि जब तक केंद्र सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का कानून नहीं बनाती है तब तक एक पैनल उनकी नियुक्ति करेगा, जिसमें प्रधानमंत्री, देश के चीफ जस्टिस और लोकसभा में नेता विपक्ष सदस्य होंगे। यह बिल्कुल उसी तरह की पैनल है, जो सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति करती है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग में नियुक्ति का यह सिस्टम इसलिए बनाया क्योंकि पिछले साल नवंबर में अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त करने के मामले में अच्छा खासा विवाद हो गया था।

आईएएस अधिकारी अरुण गोयल 30 नवंबर को रिटायर होने वाले थे। लेकिन उन्होंने 18 नवंबर को स्वैच्छिक रूप से रिटायर होने का ऐलान किया और अगले ही दिन यानी

19 नवंबर को केंद्र सरकार ने उनको चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया था। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर 2015 में दायर एक याचिका पर सुनवाई के क्रम में अदालत के सामने यह मुद्दा भी आया और तब सर्वोच्च अदालत ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए थे। अदालत ने टिप्पणी की थी कि 'बिजली की रफ्तार' से चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया। सर्वोच्च अदालत ने यह भी पूछा था कि सर्च कमेटी, कैबिनेट की सिफारिश आदि जिन औपचारिकताओं का हवाला केंद्र सरकार नियुक्तियों में देती है उनका पालन एक दिन के भीतर कैसे हो गया और वह सही तरीके से हुआ भी या नहीं? इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में फैसला सुनाते हुए अरुण गोयल की नियुक्ति तो रद्द नहीं की लेकिन नियुक्ति की एक अस्थायी व्यवस्था कर दी।

अब केंद्र सरकार बिल लाकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को पलटने जा रही है। संसद के मानसून सत्र में 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक 2023' पेश किया गया। यह कानून जिस रूप में पेश किया गया उसी रूप में पास होता है तब भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की पुरानी व्यवस्था बदलेगी लेकिन साथ ही सुप्रीम कोर्ट की बनाई अस्थायी व्यवस्था भी बदल जाएगी। इस विधेयक के संसद से पास होकर कानून बनने के बाद तीन सदस्यों का एक पैनल चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करेगा, जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होंगे। दूसरा सदस्य उनकी ओर से नामित एक अन्य कैबिनेट मंत्री होगा और तीसरा सदस्य लोकसभा में विपक्ष का नेता होगा। यानी दो सदस्य सरकार के होंगे और एक विपक्ष का। कहने की जरूरत नहीं है कि इस पैनल में फैसला हमेशा वही होगा, जो सरकार चाहेगी। पहले भी ऐसा ही होता था। सवाल है कि यह कानून लाने की इतना जल्दी क्या थी? अगले साल फरवरी में तीन में से एक चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय रिटायर होंगे और उनकी जगह नई नियुक्ति करनी होगी। क्या सरकार नहीं चाहती है कि उस समय नियुक्ति समिति में मौजूदा चीफ जस्टिस सदस्य रहें?

बहरहाल, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का जो पुराना सिस्टम चला आ रहा था वह भी परफेक्ट नहीं था और उसे लेकर हमेशा विवाद रहा। तभी 2012 में भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने तब की मनमोहन सिंह सरकार को चिट्ठी लिख कर अपील की थी कि पांच सदस्यों की एक कमेटी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करे और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस उस कमेटी के अध्यक्ष हों। लेकिन मनमोहन सिंह की सरकार ने उस पर ध्यान नहीं दिया और न बाद में आडवाणी की पार्टी की सरकार ने उस पर ध्यान दिया। उनके सुझाव पर आंशिक रूप से सुप्रीम कोर्ट ने ध्यान दिया और प्रधानमंत्री, चीफ जस्टिस व नेता विपक्ष की कमेटी बनाने का आदेश दिया। अब केंद्र सरकार इस कमेटी में से चीफ जस्टिस को हटा रही है और उनकी जगह एक केंद्रीय मंत्री को रख रही है। इसी से सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं।

आखिर सरकार को क्यों ऐसी कमेटी बनानी है, जिसमें उसका बहुमत हो? इस मामले में निष्पक्ष कमेटी क्यों नहीं बनाई जा सकती है? आखिर पैनल के सामने जो नाम लाए जाएंगे वो नाम तो भारत सरकार के अधिकारियों के ही होंगे और सरकार ही उनका पैनल बना कर समिति के सामने रखेगी, जैसे सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति में किया जाता है, फिर क्यों कमेटी में सरकार को अपना बहुमत चाहिए? क्या कभी किसी ने सुना है कि सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने अड़ंगा लगा दिया और इस वजह से वह व्यक्ति सीबीआई निदेशक नहीं बन सका, जिसे सरकार बनाना चाहती थी? ऐसा कभी नहीं हुआ है। हर बार सरकार अपनी पसंद से नाम पैनल के सामने ले जाती है और अपनी पसंद के व्यक्ति को सीबीआई निदेशक नियुक्त कराती है। फिर चुनाव आयुक्तों के मामले में ऐसी व्यवस्था क्यों काम नहीं कर सकती है? जाहिर है सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मामले को संयोगों के हवाले नहीं छोड़ना चाहती है। इसलिए चीफ जस्टिस को हटा कर एक केंद्रीय मंत्री को उसमें रखने का बिल लाया गया है।

इसमें कानूनी रूप से कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि उसका बनाया पैनल अस्थायी है और तभी तक के लिए है, जब तक संसद कोई कानून नहीं बना देती है। लेकिन सरकार को कानून बनाते हुए लोकलाज का कुछ ख्याल रखना चाहिए था। उसको चीफ जस्टिस को पैनल से हटाना था तो उसकी जगह दिखावे के लिए ही सही कोई निष्पक्ष सदस्य रखा जा सकता है। मिसाल के तौर पर लोकसभा के स्पीकर को या उप राष्ट्रपति को सदस्य बनाया जा सकता है। तब भी सरकार की पसंद का व्यक्ति ही चुनाव आयुक्त बनता लेकिन तब लोगों के मन में शंका पैदा नहीं होती। अभी सरकार की मंशा को लेकर शंका पैदा हो रही है। हालांकि यह दावा कोई नहीं कर सकता है कि किसी निष्पक्ष पैनल के जरिए चुना हुआ व्यक्ति हमेशा निष्पक्ष रहेगा और सरकारी पैनल से चुना हुआ व्यक्ति निष्पक्ष नहीं रहेगा आखिर सरकार की ओर से नियुक्त चुनाव आयुक्तों के कार्यकाल में ही बेहद शक्तिशाली सरकारें चुनाव हारी हैं। फिर भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया निष्पक्ष दिखनी चाहिए। रूस के राष्ट्रपति रहे जोसेफ स्टालिन ने एक बार कहा था कि 'चुनाव में असली मतलब उन लोगों का नहीं है, जो वोट देते हैं, बल्कि उनका है, जो वोट गिनते हैं'। तभी वोट कराने और वोट गिनने वालों का निष्पक्ष होना और निष्पक्ष दिखना स्वस्थ व जीवंत लोकतंत्र की सबसे जरूरी शर्त है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी ने मानी अपनी लापरवाही

मृतक रवि चौहान के परिवार के सदस्यों को दिया जाएगा चार लाख का मुआवजा और परिवार के दो सदस्यों को बतौर सफाई कर्मी नियुक्त किया जाएगा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंब्रा। टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी की लापरवाही से रवि चौहान नामी आदिवासी व्यक्ति की मृत्यु हो गई है उसके परिवार मैं पत्नी समेत तीन बच्चे हैं मृतक रवि चौहान की मृत्यु के बाद उनके परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है जिसको लेकर शहर में हाहाकार मच गया क्योंकि टोरेंट पावर कंपनी की लापरवाही से आई दिन मुंब्रा शहर में लोगों की जाने जा रही है बीते दो महीना पहले भी 11 वर्षीय मासूम बच्चा टोरेंट पावर के केबल की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई थी अब यह दूसरा घटनाक्रम टोरेंट पावर कंपनी के लापरवाही से सामने आया है जिसमें 28 वर्षीय रवि चौहान की टोरेंट पावर कंपनी के इलेक्ट्रिक पोल के तार टूटकर जमीन पर गिरने से और उस पर पैर पड़ने के कारण उस व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि स्थानीय रहवासी द्वारा बताया जा रहा है बीते एक सप्ताह पहले भी टोरेंट पावर कंपनी के इलेक्ट्रिक पोल के तार गिरने के कारण एक मासूम बच्ची की जान जाते-जाते बची और इसी टोरेंट के अधिकारी ने मात्र 200 रुपए देकर मामले को रफा-दफा कर दिया बताया जा रहा है उस बच्ची की हालत ठीक नहीं है उसे भी उपचार की अत्यंत आवश्यक है स्थानीय रहवासियों ने बताया इस परिसर में आए दिन इलेक्ट्रिक पोल से तार गिरने की वारदातें घट रही है लेकिन टोरेंट पावर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा है और गरीब आदिवासी लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहा है यह तमाम मामले को देखते हुए एनसीपी पार्टी द्वारा कलवा छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध में विरोध प्रदर्शन किया गया और टोरेंट भगाओ मुंब्रा बचाव, टोरेंट कंपनी मुर्दाबाद मुर्दाबाद, मौत की दुकान बंद करो, इस तरह के नारे लगाए गए यह विरोध प्रदर्शन कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान के नेतृत्व में किया गया यह वही शमीम खान है जिन्होंने कभी कहा था कि टोरेंट पावर कंपनी को मुंब्रा शहर में आने से पहले मेरी लाश पर से गुर्जरना पड़ेगा उनका यह वक्तव्य अक्सर सुर्खियों में नजर आता है उसके बाद वह जो भी टोरेंट को लेकर विरोध करते हैं उसे शहर की जनता एंटी ड्रामा के रूप में देखती है फिलहाल विरोध प्रदर्शन के बाद टोरेंट कंपनी ने अपनी गलती कबूल करते हुए मृतक रवि चौहान के परिवार के सदस्यों को चार लाख बतौर मुआवजा देने की घोषणा की है और उनके परिवार के दो सदस्य में एक महिला को और एक पुरुष को टोरेंट पावर कंपनी में सफाई कर्मी के पद पर नियुक्त करने की बात कही है आपको बताते चलें टोरेंट पावर कंपनी के लच्चर व्यवस्था के कारण शहर में आए दिन लोगों की मौत हो रही है और टोरेंट पावर का अत्याचार से जनता बुरी तरह से आहत हो गई है तेज चलने वाले मीटर लगाना दुगना तिगना बिल भेजना जबरन वसूली करना फर्जी एफआईआर करना ग्राहक की किसी प्रकार कोई सुनवाई नहीं करना अपनी गलती कभी ना मानना इस तरह के काफी मामला को लेकर शहर की जनता में टोरेंट को लेकर आक्रोश है बताया जा रहा है जिस प्रकार भिवंडी शहर में टोरेंट विरुद्ध में भव्य मोर्चा निकाला गया था जिसमें लाखों लोगों की उपस्थिति देखी गई थी और लोगों ने टोरेंट विरोध में अपना आक्रोश जताया था उसी प्रकार मुंब्रा शहर में भी टोरेंट पावर के विरुद्ध में एक भव्य मोर्चा निकाला जाएगा और यह मांग की जाएगी की टोरेंट को मुंब्रा कलवा दिवा शील से मुक्ति प्रदान की जाए अब देखना यह है कि जिस प्रकार दो लोगों की मौत के मामले बीते दो महीने के भीतर सामने आए हैं उसको लेकर एमएसईडीसीएल अपना क्या निर्णय लेती है एनसीपी पार्टी द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन का असर से क्या टोरेंट पावर कंपनी से मुंब्रा कलवा दिवा शील की जनता को मुक्ति मिलेगी या यह मामला मुआवजा देने के बाद ठंडे बस्ते में पड़ जाएगा यह देखने वाली बात होगी।

जनता का कहना हैं मुआवजे की भरपाई टोरेंट पावर द्वारा मुंब्रा शहर वासियों की खून पसीने की कमाई चूस कर वसूला जाएगा, टोरेंट पावर कंपनी बनी अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी

मुंब्रा पुलिस और ट्रैफिक विभाग द्वारा मिलकर की गई संयुक्त कार्रवाई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंब्रा। मित्तल ग्राउंड से लेकर एमएम वैली की ओर जाने वाली सड़क पर मुंब्रा पुलिस और ट्रैफिक विभाग द्वारा मिलकर संयुक्त कार्रवाई की गई यह कार्रवाई के मामले में जानकारी देते हुए मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक एन बी कोल्हटकर ने बताया लव कौसा से लेकर एमएम वैली परिसर से गुजरती हुई सड़क मित्तल ग्राउंड की ओर जाने वाली सड़क के डिवाइडर के किनारे कुछ लोगों द्वारा टी परमिट और प्राइवेट चार पहिया वाहन खड़ी की जा रही थी उन तमाम चार पहिया वाहनों पर कार्रवाई की गई यह कार्रवाई मुंब्रा ट्रैफिक विभाग के साथ मिलकर की गई उन्होंने बताया ठाणे मनपा प्रशासन की तरफ से बनाया गया बेहतर सड़क पर डिवाइडर की किनारे कुछ लोगों द्वारा चार पहिया वाहन खड़ा किया जा रहा था और सब्जी तरकारी के स्टॉल लग रहे थे जिसके कारण आवाजाही में दिक्कतें सामने आ रही थी जिसको लेकर यह कार्रवाई की गई और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी इस मामले में ट्रैफिक विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुरेश खेड़ेकर ने बताया आज हमारी ओर से 125 चार पहिया वाहन पर दंडात्मक कार्रवाई की गई है और जुमार्ना वसूला गया है और आगे भी हमारी कार्यवाही जारी रहेगी उन्होंने कहा यह सड़क का निर्माण टीएमसी द्वारा किया गया है जिसका रखरखाव अच्छे से होना चाहिए और लोगो को समझना चाहिए कि हम चार पहिया वाहन सड़क के डिवाइडर के किनारे ना खड़ा करें यह गैरकानूनी है चार पहिया वाहन की जगह जहां पर है वहीं पर ही खड़ा किया जाए अगर वह दोबारा से अपनी चार पहिया वाहन सड़क डिवाइडर के किनारे खड़ा करेंगे तो हमारी कार्रवाई दोबारा से होगी हमारी कार्रवाई का सिलसिला रुकेगा नहीं हमारी कार्रवाई अवैध पार्किंग के विरुद्ध में जारी रहेगी।

125 चार पहिया वाहन से वसूला गया जुर्माना

(पृष्ठ 1 का समाचार)

उत्तराखंड और हिमाचल में हाहाकार

इससे पहाड़ों की तलहटी की चट्टानें भी काटी जा रही हैं, जिससे जल निकासी की व्यवस्था खत्म हो गई है। इससे हिमाचल में ढलान वाले क्षेत्र लैंडस्लाइड के लिए संवेदनशील हो गए हैं। टनल में धमाके और हाइड्रो प्रोजेक्ट से भी लैंडस्लाइड की घटनाएं बढ़ रही हैं। उधर, उत्तरप्रदेश के 14 जिलों पर सूखे का खतरा मंडरा रहा है। इनमें बुंदेलखंड के 7, पूर्वी उप्र के 6 और तराई का एक जिला शामिल है। राज्य के 75 में से आधे जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। हिमाचल में लैंडस्लाइड संभावित क्षेत्र बढ़कर 17,120 हो गए हैं। इनमें भी 675 के किनारे इंसानी बस्तियां हैं। शिमला में कई सरकारी भवन भूस्खलन के खतरे की जद में हैं। हिमाचल में 68 सुरंगें बन रही हैं। इनमें 11 बन चुकी हैं, 27 निर्माणाधीन हैं और 30 विस्तृत परियोजना की रिपोर्ट तैयार हो रही हैं। इनमें कई प्रोजेक्ट केंद्र के हैं। इससे राज्य में भूस्खलन के जोखिम वाले क्षेत्र बढ़ेंगे।

समृद्धि महामार्ग पर हादसों का सिलसिला जारी

घटना की जानकारी मिलते ही तलेगांव दशासर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और पीड़ितों को ट्रक से बाहर निकाला। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को सरकारी अस्पताल भेजा है। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक समृद्धि महामार्ग से नागपुर से मुंबई जा रहा था। रात के वक्त अमरावती जिले के चांदूर तालुक में मंजरखेड के पास चालक को कथित तौर पर झपकी आ गई और तेज रफ्तार ट्रक की महामार्ग पर बने दीवार में भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक और क्लिनर दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए चांदूर रेलवे ग्रामीण अस्पताल भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शवों को उनके गृहनगर बिहार भेज दिया जायेगा। तलेगांव पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

मंत्री धनंजय मुंडे की पिच पर शरद पवार की बैटिंग

इसलिए कहा जा रहा है कि पवार का बीड दौरा मुंडे को उनके ही निर्वाचन क्षेत्र में मात देने के लिए हैं। हालांकि शरद पवार ने केंद्र की मोदी सरकार पर भी हमला बोला है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण का जिक्र करते हुए कहा, 15 अगस्त को लाल किले से पीएम मोदी ने कहा 'मैं फिर आऊंगा'। लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि ऐसी ही बात महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कही थी और आज वह सत्ता में तो आए है लेकिन जूनियर बनकर। शरद पवार ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा, सरकार को किसानों की चिंता नहीं है। मेहनत कर कष्ट सहने वाले लोगों के हित पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सरकार की नीति समाज में खाई बढ़ाने की है। बीजेपी लोगों को धर्म और जाति में बांट रही है।

ईडी के बाद मुंबई पुलिस का एक्शन

पूर्व बीजेपी सांसद किरीट सोमैया ने आरोप लगाया कि पाटकर ने देश के सबसे अमीर नगर निगम बीएमसी से जुड़े कोविड सेंटर में 100 करोड़ का घोटाला किया है। बाद में ईडी ने इस मामले का संज्ञान लिया और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। ईडी ने कई बार पाटकर से पूछताछ की और उनके घर पर भी छापा मारा। पिछले महीने पाटकर को गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने इस घोटाले से जुड़े होने के आरोप में डॉक्टर किशोर बिसुरे को भी गिरफ्तार किया है। ईडी ने शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के कथित दोस्त सुजीत पाटकर और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। हेल्थकेयर क्षेत्र में कोई अनुभव नहीं होने के बावजूद पाटकर को महामारी के दौरान मुंबई में कोविड फील्ड अस्पताल बनाने का काम सौंपा गया था। पिछले साल बीजेपी नेता किरीट सोमैया की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए मुंबई की आजाद मैदान पुलिस स्टेशन ने लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज और पाटकर और उनके तीन सहयोगियों- हेमंत गुप्ता, संजय शाह, राजू सालुंके के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज किया था। इन चारों पर महामारी के दौरान कोविड फील्ड अस्पतालों के प्रबंध से जुड़ा बीएमसी कॉन्ट्रैक्ट धोखाधड़ी से हासिल करने का आरोप है।

शशि दीप संपादित साहित्य शिखा का केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने किया विमोचन

मुंबई हलचल/सैयद रिजवान अली

मुंबई। मुंबई महाराष्ट्र स्थित होटल ताज लेंड्स एंड होटल बैंड स्टैंड बीजी रोड माउंट मेरी बांद्रा वेस्ट में गत दिनों पत्रकारों के अधिकारों एवं उनके कल्याण के लिए संघर्षरत अखिल भारतीय पत्रकार संगठन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत का राष्ट्रीय अधिवेशन व संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव शशि दीप संपादित साहित्यकारों की काव्यांजली 'साहित्य शिखा' का विमोचन अनुष्ठान संपन्न हुआ। देश भर से आए क्रांतिकारी पत्रकार साथियों, साहित्यकारों, राजनीति व फिल्मी जगत के जाने-माने चेहरों की मौजूदगी में संपन्न इस समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री रामदास अठावले जी थे, विशिष्ट अतिथि के रूप में फिल्म निमार्ता निर्देशक श्री रवीन्द्र अरोरा, सहित चरित्र अभिनेता व कॉमेडियन सुनील पॉल थे। अधिवेशन की अध्यक्षता संगठन के संस्थापक अध्यक्ष श्री सैयद खालिद कैस ने की तो वहीं सफल संचालन का दायित्व संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव श्रीमति

शशि दीप मुंबई महाराष्ट्र ने बखूबी निभाया। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों के स्वागत अभिनंदन के पश्चात दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना से अधिवेशन का श्री गणेश किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री रामदास अठावले, कैंसर पीड़ितों की माता डॉ सुवि स्वामी, इंडस्ट्रियलिस्ट श्री मनीष स्वामी, समाजसेवी नीना गोयल, साहित्यकार डॉ प्रीति प्रसाद, वरिष्ठ चरित्र अभिनेता रमेश गोयल, कॉमेडियन सुनील पॉल, महिला नेत्री सुंदरी ठाकुर जी, श्रीकांत सक्सेना, शाकिर मालिक, समाज सेवी रेखा सोलंकी, पत्रकार महफूज खान, सुनील योगी, आशीष बंग, चैतन्य कुमार मीणा, रियाज खान, सैयद रिजवान अली आदि तमाम उपस्थित ऑडियंस ने साहित्य शिखा जैसी कृति जो स्वतंत्रता दिवस 2023 के पावन अवसर पर देश-विदेश के साहित्यकारों को एक जाजम में लाने के इस नेक प्रयास के लिए शशि दीप की सराहना की। हालांकि इस पुस्तक की परिकल्पना, कवर डिजाइन, एडिटिंग, डिजाइनिंग का श्रेय शशि दीप अपने मार्गदर्शक व प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के संस्थापक अध्यक्ष डॉ सैयद खालिद कैस को देतीं हैं। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ विनय पाठक द्वारा हस्ताक्षरित व जानी-मानी लेखिका/पत्रकार शशि दीप संपादित 'साहित्य शिखा' अपने नाम के अनुरूप चांदनी आभा लिए (शशि) दीप की लौ (शिखा) से आलोकित भावना के साथ 'वसुधैव कुटुम्बकम' की गौरवशाली और उदार परंपरा को आत्मसात करते हुए विश्व बंधुत्व को प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है।

सहायता और सुरक्षा के संकल्प के साथ तिरंगा लेकर निकले एसीपी संतोष और इंस्पेक्टर देवेंद्र दुबे

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां पुलिस द्वारा तिरंगा यात्रा निकाले जाने के साथ ही धूमधाम से सकुशल स्वतंत्रता दिवस के बाद गोविंद नगर पुलिस ने पीड़ितों की सहायता और हर तरह के अपराधियों के खिलाफ पहले से जारी अपने अभियान को और तेज कर दिया है। इसी के साथ किसी भी तरह की अपराधिक गतिविधियों से निपटने के लिए पुलिस की गश्त भी लगातार जारी है। अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले यहां की गोविंद नगर पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस भी बहुत धूमधाम से मनाया। इस मौके पर एसीपी संतोष कुमार सिंह इंस्पेक्टर देवेंद्र दुबे की अगुवाई में शानदार तिरंगा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें गोविंद नगर थाने की सभी पुलिसकर्मी भी शामिल हुए। अवगत कराते चलें कि बहुत चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले गोविंद नगर थाने

की कमान आजकल परिश्रम पूर्ण सक्रियता वाले निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के तेजतर्रार और व्यवहार कुशल इंस्पेक्टर देवेंद्र दुबे के हाथ में है। जनहित में उनकी कार्यशैली भी बहुत प्रशंसनीय मानी जाती है। मसलन जो भी पीड़ित थाने आता है, वह उसके लिए तब तक जुटे रहते हैं। जब तक उसकी शिकायत का संतोषजनक निस्तारण नहीं हो जाता। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाही में लगातार जुटे अपने सिद्धांतों से कोई भी समझौता नहीं करने वाले और निर्दोष फंसे नहीं तथा अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की विचारधारा के अनुरूप अपने कर्तव्य का पालन करने में कोई भी कसर नहीं रखने वाले जुझारू इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार दुबे इसके पहले भी जहां भी पोस्ट रहे हैं, वहां भी वह अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की हर सम्भव तत्काल सहायता को लेकर भी लोगों के बीच सराहनीय चर्चा का विषय रहे हैं। खास बात यह भी कि हालात चाहे जैसे रहे हों और कीमत चाहे कुछ भी क्यों ना चुकानी पड़ी हो लेकिन अपनी जुझारू नौकरी के अबतक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए हर तरह के शातिर अपराधी अराजक तत्वों को भी भरपूर सबक सिखाने में भी सदैव अग्रणी रहे इंस्पेक्टर देवेंद्र दुबे ने अपने स्वाभिमान और अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

एनडीए कारपोरेट इंडिया का प्रतीक बन चुका है : एडवोकेट प्रहलाद राय व्यास

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। इंडिया असली भारत या रियल इंडिया का प्रतीक बनना चाहिए। एनडीए कॉरपोरेट इंडिया का प्रतीक बन चुका है। आज कॉरपोरेट इंडिया,कॉरपोरेट मीडिया, कॉरपोरेट कल्चर, कॉरपोरेट पॉलिसी सब आज आम आदमी के शोषण लूट के प्रतीक बन गए है। किसान मजदूर उपभोक्ता महिला दस्तकार युवा छात्र बुजुर्ग अल्प संख्यक दलित पिछड़ों के अधिकारो सम्मान पर कॉरपोरेट हमला हो रहा है। ऐसे वक्त में आम आदमी पार्टी की भूमिका निर्णायक और चुनौतीपूर्ण है।

आम आदमी पार्टी प्रवक्ता जिला सचिव एडवोकेट प्रहलाद राय व्यास ने बताया कि भ्रष्टाचार, चुनाव आयोग की स्वतंत्रता आज भी देश के लिए अहम है। आज बीजेपी के पास 80% ब्लैक मनी है। और ईमानदारी का नाटक कर रही है। 10 लाख करोड़ का कुछ चंद पूंजीपति दोस्तो का कर्ज माफ किया ये जांच का विषय है कि वो लोग कौन है? जिनका कर्ज माफ किया।आज पूंजीपति के फायदे में सब्सिडी दी जा रही है। और किसान को फसल का लाभकारी मूल्य तक नही दिया जा रहा है। आम आदमी संवाद यात्रा के जरिए आम आदमी के मुद्दे उठाते हुए न्याय युद्ध लड़ा जाएगा। उक्त जानकारी आम आदमी पार्टी के जिला सचिव एडवोकेट प्रहलाद राय व्यास ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

इरम फरीदी और हैरी वर्मा की बर्थडे पार्टी मुंबई में धूमधाम से मनाई गई, सितारों का लगा मेला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर प्रोड्यूसर इरम फरीदी का बर्थडे 10 अगस्त की शाम को मुम्बई के फ्लाइंग सौसर क्लब में धूमधाम से मनाया गया, जहां कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं। कोरियोग्राफर संदीप सोपारकर, कॉमेडियन वीआईपी, वीआईपी की बेटी ध्वनि पवार सहित काफी लोगों ने इस जन्मदिन की पार्टी में उपस्थिति दर्ज की और इरम फरीदी को जन्मदिन की दिल से बधाई और शुभकामनाएं दीं। यहां उपस्थित सेलेब्रिटीज में सुष्मिता मुखर्जी, आदि ईरानी, अविनाश मिश्रा, मनीष वाधवा, संदीप सोपारकर, शांति प्रिया, रुपाली सूरी, डायरेक्टर फरहाद सामजी, प्राची बंसल, उर्वशी परदेसी, काजोल गिणांनी, अभिलाष चौधरी, अदिति रावत, हिना पंचाल, सुनील पाल, अरुण बख्शी, देव गिल, दिनेश मेहता, वकार शेख, नयनी दीक्षित, पंकज बेरी, पूजा शर्मा, रेखा, सचिन गुप्ता, उर्वशी सोलंकी और मल्लिका घई का नाम उल्लेखनीय है। इस अवसर पर बॉलीवुड के मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर हैरी वर्मा का जन्मदिन भी मनाया गया। यहां फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकार, निर्देशक इरम फरीदी को बधाई देने आए। यहां आए सेलेब्रिटी मेहमानों ने इरम फरीदी को जन्मदिन की ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं दीं, उन्हें केक खिलाकर उनका बर्थडे सेलेब्रेट किया। मुंबई के अंधेरी स्थित फ्लाइंग सौसर क्लब में यह भव्य बर्थडे पार्टी रखी गई जहां डांस म्युजिक मस्ती का देर रात तक माहौल चलता रहा। बर्थडे गर्ल इरम फरीदी बेहद खूबसूरत ड्रेस में काफी क्यूट लग रही थीं। उन्होंने बताया कि हमारे बर्थडे पर जो रौनक दिखाई दी, जो लोगों का प्यार नजर आया, यह सब देखकर मैं अभिभूत

हूँ। मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे जन्मदिन को मेरे दोस्तों, चाहने वालों ने यादगार बना दिया। कास्टिंग डायरेक्टर हैरी वर्मा ने बताया कि इरम फरीदी बहुत ही अच्छी इंसान हैं और बहुत काम करती हैं। उनके जन्मदिन पर मैं उनके लिए दुआ करता हूँ कि वह हमेशा खुश और स्वस्थ रहें। इरम फरीदी ने भी हैरी वर्मा को जन्मदिन की बधाई दी और हैरी को एक प्रतिभाशाली क्रिएटिव इंसान बताया जो बड़ी लगन के साथ इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। इस मौके पर कई हस्तियां इस पार्टी का हिस्सा रहीं। फैजअली वागले, जुनैद शेख ने कार्यक्रम की शोभा बढाई। यहां डांस परफॉर्मेंस को भी लोगों ने खूब पसन्द किया। उत्तरप्रदेश के कानपुर से मुंबई की इरम फरीदी की जर्नी बेहद मोटिवेशनल रही है। वह २०१६ में मुम्बई आई थी। उनके इस सफर में उनकी माँ, उनकी बहन, दोस्त का बड़ा सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि २०२३ का यह बर्थडे मेरे जीवन का सबसे प्यारा बर्थडे है। मैं इससे बेहतर और क्या मांग सकती हूं कि मुझे सभी की दुआएं मिलीं, इतने सारे दोस्त, वेल विशर्स मेरी बर्थडे पार्टी में आए। मुझे मीडिया का साथ मिला। बता दें कि इरम फरीदी ने बड़े संघर्ष के बाद सफलता की कहानी लिखी है। उन्हें दिया मिर्जा के हाथों भी अवार्ड मिल चुका है, साथ ही ढेर सारे सम्मान से नवाजी जा चुकी हैं। कॉमेडियन वीआईपी ने भी अपने ढंग से इरम फरीदी को मुबारकबाद दी। यहां उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस इरमस एंटरटेनमेंट द्वारा बनाई जा रही नेक्स्ट फिल्म 'शादी बाज' का जिक्र भी किया। उन्होंने इस फिल्म का पोस्टर भी जारी किया। जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। गौरतलब है कि यहां इरम फरीदी को बधाई और शुभकामनाएं देने फिल्मी दुनिया की कई हस्तियां आईं। पार्टी में खूब डांस और मस्ती हुई। सभी मेहमानों का स्वागत किया गया। इरम फरीदी ने कहा कि मैं बेहद खुश और सौभाग्यशाली महसूस कर रही हूं कि मेरे जन्मदिन की पार्टी पर फिल्मी दुनिया की कई हस्तियां मुझे विश करने आईं। मैं संदीप सोपारकर, कॉमेडियन वीआईपी सहित बहुत सारे लोगों का शुक्रिया अदा करती हूं। इस अवसर पर इरम फरीदी की फिल्म फेडोरा रिंकल्स का वर्णन भी किया गया। बता दें कि इरम फरीदी फिल्म निर्मात्री होने के साथ साथ समाज सेवा के काम भी करती आ रही हैं।

जयपुर में खिदमत ए दीन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान राजधानी जयपुर के (रामनगर) शास्त्री नगर में खिदमत ए दीन द्वारा मायो क्लिनिक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किय गया, खिदमत ए दीन के अध्यक्ष इरफान अली पठान ने बताया महा रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने ब्लड डोनेट किया। खासतौर से युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और इसमें करीब 152 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। जिसमें रक्त वीरों को हेलमेट सर्टिफिकेट सहित उपहार से भी नवाजा गया। वहीं इरफान अली ने बताया कि रक्तदान महादान होता है यह सबसे बड़ी खिदमत है खासतौर से गरीब परिवार के लोग खून की कमी के चलते इंतजाम नहीं कर पाते, लेकिन हमारी कोशिश यह है कि कोई भी खून के बगैर जिंदगी से जंग न हारे और हम आम आदमी तक ब्लड की सेवा पहुंचा रहे हैं, और मुझे मेरे युवा साथियों का यह हौसला देखकर बड़ी खुशी है कि हमारे युवा अच्छे कामों में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, वही मायो क्लिनिक के फाउंडर डॉक्टर जीशान ने बताया की सबसे बड़ी खिदमत इंसानियत है,और हम सबको खून डोनेट करना चाहिए इससे कोई कमजोरी नहीं आती बल्कि शरीर में और ज्यादा एनर्जी आती है,और वह हमारा डोनेट किया गया खून किसी की जिंदगी बचाने के काम आ सकता है। इसलिए हमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में रक्त वीर और खिदमत ए दीन के सचिव इमरान खान, वसीम गोरी आदि मौजूद रहे। उक्त जानकारी क्षेत्रिय पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

मदरसा मअहदुल कासिम बीकानेर में स्वतंत्रता दिवस पर हुआ विशेष कार्यक्रम

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। मदरसा मअहदुल कासिम बीकानेर बाबूजी एस्टेट प्रताप बस्ती गजनेर रोड़ पर स्थित है जिसमें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर विशेष प्रोग्राम मुन्अकि द हुआ जिसमें झंडा रोहण व राष्ट्र गान के बाद छोटे छोटे बच्चो बच्चियों ने जिंदगी के पहले मौके पर अपना शानदार प्रौग्राम पैश किया जिसकी तैयारी मदरसा के शिक्षा अनुदेशक बहार अख्तर व गजाला परवीन ने करवाई मदरसा संचालक मुफ्ती सद्दाम हुसैन कासमी ने बताया कि इस इलाके में अपनी नौईयत का पहला प्रोग्राम देखा गया इलाके के मौअजज लोगो ने प्रोग्राम में शिरकत की जिसमें हाफिज हुसैन हाफिज तौहीद मौलाना अब्दुल कुद्दूस हाफिज जावेद मंजूर कलाकार हाजी तारीफ हाजी हारून शफाअत अली मो अली बहार अख्तर गजाला परवीन की शिरकत रही।

एक रुपया रोज सेवा संस्था ने मूक बधिर बच्चों के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। एक रुपया रोज सेवा संस्था ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नोखा रोड स्थित दिव्यांग सेवा संस्थान में मुख बधिर बच्चों को अल्पाहार वितरण करके स्वतंत्रता दिवस मनाया। संस्था अध्यक्ष सिकन्दर राठौड़ ने बताया कि संस्था पिछले 6 साल से सामाजिक स्तर के कार्य कर रही है जिसमें त्योहारों व राष्ट्रीय पर्वो पर मूक बधिर व जरूरतमंद लोगो को खाने पीने की चीजें बांटकर खुशियां मनाते हैं। संस्था के मनोज कुमार ने बताया कि इस अवसर पर मंजूलता रावत, चंचल सेन, इकरामुद्दीन लोहार, जेठाराम जी (संस्थापक दिव्यांग सेवा संस्थान) वाजिद अली, उषा गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, रूप कुमार रावत, आदि सदस्य मौजूद रहे।

'जन सुराज के साथ सत्ता परिवर्तन के लिए कदम से कदम मिलाकर चलें और बिहार में खुशहाली लाएं'

मुंबई हलचल/सलीम आजाद

मधुबनी। मधुबनी जिले के जन सुराज सेवक मंजूर आलम ने कहा कि आज गाँवों की स्थिति बहुत ही खराब है आप अपने गाँव में नजर उठाकर देखें तो आपको 18 से 45 वर्ष के युवा पीढ़ी कम ही नजर आयेंगे इसका सबसे महत्वपूर्ण कारक है बेरोजगारी। बिहार की जो शिक्षा पद्धति है वह वास्तव में युवाओं को बेरोजगारी की ओर ठकेल रहा है हमलोग अपने बच्चों को किसी तरह से मैट्रिक इन्टर तक पढ़ा देते हैं और ज्यादा से ज्यादा स्नातकोत्तर करा देते हैं लेकिन पैसे के अभाव में बच्चों को तकनीकी शिक्षा नहीं दिला पाते हैं क्योंकि भारत के सभी राज्यों में बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी है और कुछ बच्चे तकनीकी शिक्षा प्राप्त भी कर लेते हैं तो उन्हें रोजगार प्राप्त करने हेतु देश विदेश में पलायन करना पड़ता है अब हम अपने बच्चों को मैट्रिक इन्टर करवा देते हैं फिर वह बच्चा रोजगार प्राप्त करने हेतु किसी अन्य राज्यों में पलायन कर जाता है क्योंकि बिहार रोजगार देने के मामले में फिसड्डी है जानते हैं हमारे बच्चे को तन्ख्वाह के नाम पर 5000 से 10000 हजार रुपया दिया जाता है और आप को शायद पता भी होगा कि बड़े बड़े शहर में घर का किराया भी मंहगा होता है और कमरा भी बहुत छोटा होता है कम तन्ख्वाह की वजह से एक कमरे में 5 से 10 बच्चे रहते हैं उसी कमरे में रहना और खाना भी होता है कभी आप ने सोंचा के हमारे बच्चे बाहर किस कठिनाई में जिन्दगी में गुजार रहे हैं कभी अपने बच्चों से पुछकर देखिए आंखों से आंसू निकलने लगेगा और यही सच्चाई है।

पुरानी बसों के कारण बढ़ रही दुर्घटनाएं: जयश्रीताई शेळके

विपक्षी नेता विजय वडेट्टीवार से सरकार का ध्यान आकर्षित कराने की मांग की

मुंबई हलचल/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम के बेड़े में पुरानी बसों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे यात्रियों में भय का माहौल है। यह चिंता का विषय है और इसे सरकार के ध्यान में लाया जाना चाहिए। ऐसी मांग महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सचिव जयश्रीताई शेळके ने 17 अगस्त को मुंबई के मंत्रालय में विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार को एक निवेदन के माध्यम से की है। इस निवेदन में बताया गया है के 16 अगस्त को चिखली तालुका के सवाना में एक बस दुर्घटना में 40 यात्री घायल हो गए। इसमें 25 छात्र शामिल हैं। ड्राइवर ने बताया कि स्टेयरिंग फ्री होने और ब्रेक नहीं लगने के कारण यह हादसा हुआ। जिस बस का एक्सीडेंट हुआ वह करीब 15 साल पुरानी है। बताया गया कि यह बस 2008 में सेवा में आई थी। ऐसी पुरानी बसों को चलाने की बजाय स्क्रैप कर देना चाहिए। अगर नहीं तो इसे वहीं पर खड़ा किया जाए। हालांकि बयान में कहा गया है कि परिवहन विभाग को यात्रियों की जान से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष के साथ मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव भूषण गगरानी को भी बयान दिया गया.बुलडाणा जिले में ही या पूरे राज्य में एस.टी. बस लगातार हादसो का शिकार हो रहे हैं। सरकार को इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम के राज्य में 250 डिपो हैं। 16 हजार से ज्यादा एसटी बसें हैं। आधी बसें पुरानी हो चुकी हैं। बसों की नियमित सर्विसिंग जरूरी है। प्रदेश भर में ब्रेक फेल, स्टीयरिंग जाम, स्टीयरिंग फ्री, स्टीयरिंग रॉड टूटने, टायर फटने से बड़ी संख्या में दुर्घटनाएं हुई हैं।

पिछले छह महीने में बुलधान के पास राजूर घाट पर ब्रेक फेल होने से चार बस दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

यात्री सुरक्षा को कैसे भरोसे पर छोड़ा जा सकता है?

एसटी महाराष्ट्र की जीवन रेखा है। प्रतिदिन लगभग 55 से 60 लाख यात्री बस से यात्रा करते हैं। यात्रियों को एसटी निगम पर भरोसा है, इसलिए इतनी बड़ी संख्या में यात्री बस से यात्रा करते हैं। बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' परिवहन निगम का आदर्श वाक्य है। यात्रियों की सुरक्षा को कैसे भरोसे पर छोड़ा जा सकता है? ऐसा सवाल उठ रहा है। राज्य सरकार को यात्रियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाना चाहिए। बयान के जरिए अनुरोध किया गया है कि विपक्षी दल के नेता इस पर विशेष ध्यान दें।

कर की तुलना में लाभ न्यूनतम हैं

राज्य सरकार को एसटी निगम से टैक्स के रूप में सालाना साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये मिलते हैं। इसमें टिकट पर 17.5 फीसदी टैक्स, ईंधन पर टैक्स शामिल है। सरकार को इतनी बड़ी मात्रा में टैक्स मिलता है। लेकिन टायलन में गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। ये मामला भी बेहद अहम है। जयश्रीताई शेल्के ने मांग की है कि विपक्षी दल के नेताओं को इस मामले को सरकार के ध्यान में लाना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल

जरुरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

मुख्यमंत्री सलाहकार समूह की पहली बैठक पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

देहरादून। उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के सफल आयोजन हेतु नीतिगत आधार तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए गठित मुख्यमंत्री सलाहकार समूह की पहली बैठक आज देहरादून में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निवेशकों द्वारा दिये जा रहे सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कार्यरूप में लाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि इन्वेस्टर समिट होने तक राज्य में निवेश की अच्छी ग्राउंडिंग हो एवं निवेशकों को सभी अनुमतियां समय पर मिल जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति व्यवस्था के साथ ही बेहतर मानव संसाधन भी उपलब्ध है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि उन्हें जिन-जिन क्षेत्रों में दक्ष मानव संसाधन

की आवश्यकता है, वह बताई जाए। सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षण की व्यवस्थाएं की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में राज्य में सड़क, रेल व हवाई कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हुआ है। इन्वेस्टर समिट में 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को वर्ष 2025 तक देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें हमारे उद्योग जगत से जुड़े लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों से लगातार संवाद हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न बैठकों में निवेशकों द्वारा उठाई गई समस्याओं के निस्तारण हेतु हर संभव प्रयास किये गये हैं। इन्वेस्टर समिट-2023 से निवेश व रोजगार के अवसर बढ़ेगें एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग जगत में हो रहे नए नवाचारों से हमारे उद्यमियों को भी लाभ प्राप्त होगा। बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, प्रेमचन्द अग्रवाल, गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल, सौरभ बहुगुणा, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम आदि उपस्थित रहे।

सीएम ने सिख समुदाय में होने वाले 'आनंद कारज' की रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू करने के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहारनपुर चौक स्थित गुरुद्वारा में श्री गुरू सिंह सभा देहरादून द्वारा सिख समुदाय में होने वाले 'आनन्द कारज' की रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू करने के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आढ़त बाजार के इस गुरुद्वारे में स्थित सराय को संसाधन युक्त किए जाने हेतु अल्पसंख्यक कल्याण निधि से 25 लाख रुपए की धनराशि दी जायेगी। उन्होंने कहा कि सिख समाज में सेवा का

जो विशेष भाव है, उसी भाव के अंतर्गत गरीब सिख परिवारों के बच्चों और समाज के अन्य गरीब तबकों के लिए सिख समाज ने विद्यालय खोले हैं। ऐसे विद्यालयों में संसाधन उपलब्ध किए जाने हेतु 25 लाख रुपए प्रदान किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आनंद कारज एक्ट के लिए वर्ष 1909 में पहली बार मांग उठी थी, इसके बाद एक्ट बनवाने तथा पास करवाने के लिए सिख समाज को लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। प्रदेश में राज्य सरकार ने कैबिनेट में आनंद कारज एक्ट को मंजूरी देकर सिख समाज की एक सदी पुरानी मांग को पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व का ही प्रतिफल है कि आज करतारपुर कॉरिडोर बनाने की सिख समाज की वर्षों पुरानी मुराद पूरी हो पाई। गुरू गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजानदास, गुरूद्वारा गुरू सिंह सभा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी सोनिका ने तहसील विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत मदर्सू मजरा जाखन के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने आज तहसील विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत मदर्सू मजरा जाखन के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को प्रभावितों/ग्रामीणों हेतु मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने प्रभावित क्षेत्र से ग्रामीणों को पर शिफ्ट किए गए सुरक्षित स्थान पर बने रहने को कहा।

जिला प्रशासन द्वारा फौरी राहत के तौर पर प्रभावितों/पीड़ितों को मुआवजे के रुप अहेतुक धनराशि के चैक वितरित किए गए। वहीं प्रभावित 28 परिवारों के लगभग 100 से 150 लोगों को पास के ही गांव पष्टा के जूनियर हाईस्कूल में राहत कैम्प लगाया गया है, कुछ प्रभावित लोग आस पास में रह रहे अपने रिश्तेदारों के यहां ठहरे हुए है। तहसील विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत मदर्सू मजरा जाखन में कल दोपहर से भूस्खलन की घटना घटित हुई जिसमें क्षेत्र के 10 मकान पूर्ण क्षतिग्रस्त, 2 पक्के मकान आशिंक रूप से

एवं 7 गौशाला क्षतिग्रस्त हुई हैं। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में राजस्व विभाग सहित रेखीय विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित होकर राहत बचाव कार्य में लगे है। जिलाधिकारी द्वारा ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर बने रहने तथा राजस्व विभाग एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को राहत कैंप में मूलभूत सुविधाएं बनाए रखने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में तहसील प्रशासन के द्वारा मौके सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को क्षति का आंकलन करने, भू-वैज्ञानिकों को क्षेत्र का भूगर्भीय सर्वे करने तथा प्रभावित परिवारों को विस्थापित करने का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा प्रभावित परिवारों से वार्ता कर उनका हाल-चाल जाना तथा दर्द भी साझा किया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि लोगों को किसी प्रकार की समस्या न हो इसका विशेष ध्यान रखें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार सहित राजस्व तथा रेखीय विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पिथौरागढ़ पुलिस ने बाजार में भटक रही मानसिक रुप से अस्वस्थ महिला को उसके परिजनों से मिलाया

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

पिथौरागढ़। थाना अस्कोट पुलिस को सूचना मिली कि अस्कोट क्षेत्र एक वृद्ध महिला इधर- उधर भटक रही है, जो मानसिक रुप से अस्वस्थ लग रही है। उक्त सूचना पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अस्कोट उमराव सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए महिला को ढूंढकर सुरक्षा की दृष्टि से कोतवाली अस्कोट लाया गया। उक्त महिला से पूछताछ की गई जो अपने बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पा रही थी। पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी- पतारसी करते हुए उक्त महिला के परिजनों के बारे में जानकारी की गई, जिसका

नाम श्रीमती धर्मा देवी पत्नी श्री धर्म सिंह, निवासी- ग्राम कोटा खड़िक थाना नाचनी होना ज्ञात हुआ, जिस पर पुलिस टीम द्वारा महिला को सकुशल घोरपट्टा तक लाकर थाना नाचनी पुलिस के सुपुर्द किया गया, जिस पर थानाध्यक्ष नाचनी, चन्दन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा उक्त महिला को सकुशल उसके गाँव कोटा खड़िक ले जाकर उनके पति धर्म सिंह के सुपुर्द किया गया। जिनके द्वारा पुलिस की त्वरित कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

पिथौरागढ़ पुलिस ने 21 बाहरी व्यक्तियों का किया सत्यापन

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़, लोकेश्वर सिंह के आदेशानुसार, जनपद क्षेत्रान्तर्गत निवासरत मजदूरों/ बाहरी व्यक्तियों/ फड़-फेरी, रेड़ी/ठेले लगाने वाले व्यक्तियों/ किरायेदारों के शत-प्रतिशत सत्यापन किये जाने हेतु चलाये जा रहे सघन अभियान के दृष्टिगत जनपद के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों तथा सत्यापन

हेतु गठित टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत विशेष चैकिंग अभियान चलाकर जा रहा है। जिस क्रम में दिनांक- 16.08.2023 को जनपद पुलिस ने कुल- 21 मजदूरों/रेड़ी- ठेले वालों/ किरायेदारों/ बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया।बिना सत्यापन के बाहरी व्यक्तियों को किराये पर रखने वालों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की जा रही है।

अब खनस्यु थाना पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर मा. न्यायालय के समक्ष किया पेश

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

नैनीताल। एन.आई एक्ट प्रकरण में वन दरोगा को मा. न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं होना पड़ा भारी अब खनस्यु थाना पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर मा. न्यायालय के समक्ष किया पेश एन.आई. एक्ट के 3 मामलो में मा. सक्षम न्यायालय हल्द्वानी से जारी वारंटो के क्रम में खनस्यु थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासरत वांछित वारंटी हाल वन दरोगा, गौनियारो हल्द्वानी वनप्रभाग को उसके घर से खनस्यु पुलिस द्वारा आज दिनांक 17 अगस्त 2023 को थानाध्यक्ष खनस्यु श्री भुवन सिंह राणा के नेतृत्व में खनस्यु थाना पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है। उक्त वारंटी के विरुद्ध विभिन्न न्यायालयों में एन.आई. एक्ट से संबंधित

कुल 3 वाद चल रहे हैं तथा मा. न्यायालय द्वारा जारी सम्मान/वारंटो के पश्चात भी उक्त वारंटी पिछले काफी दिनों से माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहा था जिसके पश्चात मा. न्यायालय द्वारा संबंधित के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया गया जिसे आज खनस्यु थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

चेहरे से लेकर बालों तक की प्रॉब्लम को दूर करता है पुदीना, यूं करें इस्तेमाल

पुदीने के पत्तों का इस्तेमाल खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे आप कई ब्यूटी प्रॉब्लम को भी दूर कर सकते हैं। एनाल्जेसिक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर पुदीने का इस्तेमाल गर्मियों में होने वाली स्किन से लेकर बालों तक की समस्याओं को दूर करने में मददगार होता है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह पुदीने का इस्तेमाल करके आप बालों से लेकर चेहरे तक की परेशानियों को दूर कर सकते हैं।

1. ब्लैकहैड्स से छुटकारा
पुदीने के पत्तों का इस्तेमाल आप ब्लैकहैड्स से छुटकारा पाने के लिए भी कर सकते हैं। इसके लिए पुदीने के पत्तों और चुटकीभर हल्दी को पानी में उबाल लें। अब इसे चेहरे पर लगाकर स्क्रब की तरह यूज करें। हफ्ते में कम से कम 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

2. मुहांसे और डार्क स्पॉट
पुदीने के पत्ते में मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण चेहरे के डार्क स्पॉट और झाइयों को भी मिटाते हैं। पुदीने के कुछ पत्तों को पीसकर चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगाएं और कुछ देर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। रोज दिन में 1 बार इसका इस्तेमाल मुहांसे-डार्क स्पॉट के साथ काले घेरों को भी दूर करता है।

3. झुर्रियों से छुटकारा
पुदीने से चेहरे के फ्री रेडिकल्स हट जाते हैं, जिससे आप ज्यादा उम्रदराज नहीं दिखते। इसके लिए पुदीने की पत्तियों को पीसकर उसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर और थोड़ा गुलाबजल मिक्स करके चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। इसके बाद चेहरे को धो लें और सुखा लें।

4. गर्मियों में रैशेज से राहत
गर्मियों में पसीने के कारण अक्सर स्किन रैशेज और खुजली की समस्या आम देखने को मिलती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप पुदीने की पत्तियों को पीसकर गर्दन से लेकर चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद ठंडे पानी से धो लें। इससे आपको रैशेज और खुजली की समस्या से राहत मिलेगी।

5. झड़ते बालों की समस्या
झड़ते बालों की प्रॉब्लम को दूर करने के लिए यह सबसे सही और नेचुरल तरीका है। हेयरफॉल को रोकने के लिए इसकी पत्तियों को पानी में उबालकर स्कैल्प पर लगाकर मसाज करें। 10 मिनट बाद बालों को नार्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम 3 बार इसका इस्तेमाल हेयरफॉल की समस्या को कुछ समय में ही दूर कर देगा।

6. ड्राई स्कैल्प
पुदीने का तेल ड्राई स्कैल्प के लिए सबसे अच्छा मॉइश्चराइजर है। इसका इस्तेमाल बालों में नमी को बरकरार रखता है और ड्राई स्कैल्प की परेशानी को दूर करता है। इसके लिए पुदीने के तेल में बादाम का तेल मिक्स करके स्कैल्प पर लगाएं और आधे घंटे के लिए ढक कर रखें और फिर बाल धो लें। इससे बालों को पोषण मिलेगा और स्कैल्प पर नमी बनी रहेगी।

Step by Step लगाएंगे आईलैशज तो नहीं होगी कोई परेशानी

पलकें जितनी लंबी हो आंखे और चेहरा उतना ही खूबसूरत दिखता है। कुछ लड़कियों की पलकें छोटी होने के कारण वह खूबसूरत दिखने के लिए नकली पलको का इस्तेमाल करती है। इसे लगाने के बाद आंखों की शेप बढ़िया दिखती है। अगर आपकी छोटी पलकें खूबसूरती घटा रही है तो आप नकली यानि फेक पलकें का इस्तेमाल करें। आज हम आज हम आपको इसे लगाने का तरीका बताएंगे, जिसके बाद आप बड़ी आसानी से इसे यूज कर सकेंगी और चेहरे को नई लुक मिलेगी।

1. ट्रिम करें
पलकें लंबी होने पर इसे अपनी आंखों के साइज के हिसाब से काट लें। इसे काटते हुए ध्यान रहें कि पलको का आखिरी हिस्सा बाहर की ओर निकला हुआ होना चाहिए। इससे पलकें भरी हुई और कर्ली दिखती है।

2. इस तरह लगाए ग्लू
नकली पलको पर ग्लू लगाना आसान नहीं होता। इसलिए इसे लगाने के लिए ग्लू को अपनी उंगल पर लगाएं और फिर उस पर पलको को थोड़ी देर तक दबाएं। जिससे उस पर ग्लू बड़ी आसानी से लग जाएगा।

3. चिमटी का करें इस्तेमाल
अब इसे लगाने के लिए चिमटी का इस्तेमाल करें। धीरे से पलको को पकड़े और आंखों पर लगाएं। जब यह सही जगह पर आ जाए तब इसे उंगली से चिपका दें। ध्यान रहे इसे ज्यादा जोर से न दबाएं, नहीं तो यह चिपकने की बजाए बाहर निकल आएगी। फिर उंगली को धीरे से हटाएं।

4. मस्कारा लगाएं
मस्कारा लगाने से नकली आइलैश असली वाली पलकों से जुड़ जाएगी। इससे पलकें ज्यादा घनी और लंबी दिखेंगी। मस्कारा लगाने के बाद पलको को दोबारा प्रेस करें।

5. आइलाइनर
नकली पलकें लगाने पर आंखों के नीचे थोड़ी-सी खाली जगह बच जाएगी, जिस पर आप आइलाइनर लगा कर भर सकती हैं।

चक्कर आने की समस्या से राहत दिलाएंगे ये घरेलू उपाय

कई बार लगातार बैठे रहने के बाद एकदम खड़े होने पर आखों के सामने अंधेरा आना और चीजे घूमती हुई महसूस होने लगती है। इस समस्या को चक्कर आना कहते हैं। इसके होने का कारण शरीरिक कमजोरी या फिर मस्तिष्क में ब्लड सकुर्लेशन कम होना हो सकता है। कई बार यह स्थिति लो-ब्लडप्रेशर के कारण भी होती है। गर्मियों में कम पानी पीने पर भी चक्कर आने लगते हैं जिससे राहत पाने के लिए आप घरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

1. आंवला
आंवले में विटामिन ए और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जिससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और चक्कर आने की समस्या से राहत मिलती है। इसे प्रयोग में लाने के लिए दो आंवले को पीस कर पेस्ट बना लें। फिर इसमें 2 चम्मच धनिए के बीज और 1 कप पानी मिला कर रात भर ऐसे ही रख दें। फिर अगली सुबह उठ कर छान कर इसके पानी के पीएं।

2. शहद
चक्कर आने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए शहद काफी कारगार उपाय है। इसे इस्तेमाल करने के लिए 2 चम्मच शहद में 2 चम्मच सेब का सिरका मिलाएं और फिर इस मिश्रण को 1 गिलास पानी में मिला कर पीएं।

3. नींबू
नींबू में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह शरीर को बहुत सारे रोगों से बचा कर रखता है और शरीर को हाईड्रेट करने में मदद करता है। चक्कर आने के समस्या होने पर आधे नींबू को 1 गिलास पानी में निचोड़े और फिर इसमें 2 चम्मच चीनी मिलाकर पीएं। इसके अलावा 1 चम्मच नींबू के रस में काली मिर्च और नमक मिलाएं और फिर इसे 1 गिलास पानी में मिला कर पीएं।

4. अधिक मात्रा में पानी पीएं
चक्कर आने का आम कारण डीहाईड्रेशन भी है। कई बार व्यायाम के दौरान पानी न पीने के कारण भी चक्कर आने लगते हैं। इसलिए दिन अधिक से अधिक पानी पीएं। इसके अलावा फलों का जूस बना कर भी पी सकते हैं।

मोटापा तेजी से करना है कम तो रोजाना पीएं ये 4 Detox Drink

जल्दी वजन कम करने के उपाय : बढ़ते हुए मोटापे का असर पर्सनैलिटी के साथ स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। मोटापे बढ़ने के साथ-साथ कई बीमारियों का खतरा और भी बढ़ जाता है। कुछ लोग मोटापे से छुटकारा पाने के लिए वर्कआउट, डाइटिंग या दवाइयों का इस्तेमाल करते है जिससे शरीर को और भी नुकसान पहुंचता है।

1. खीरे का जूस
1 खीरे, 1/2 नींबू, 1 टेबलस्पून अदरक, धनिया और 1/3 कप पानी मिलाकर ब्लैंड कर लें। इसे रात को भोजन करने के बाद सोने से पहले इसे पीने से 1 महीने में ही आपका वजन कम हो जाएगा।

2. खीरे और नींबू का रस
विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुणों से भरपूर खीरा और नींबू का रस मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है, जिससे फैट बर्न होता है। इस डिटॉक्स ड्रिंक को बनाने के लिए 1/2 नींबू क्रू स्लाइस, 1/4 खीरे की स्लाइस काट लें। 1 गिलास पानी में नींबू और खीरे की स्लाइस डालकर कुछ देर ठंडा होने के लिए रख दें। इसक बाद रात को सोने से पहले इसे पीएं। रोजाना इसका सेवन समय में ही आपका मोटापा कम कर देगा।

कुछ

3. खीरा और पुदीना
इसके लिए 1 नींबू की स्लाइस, 5 इंच खीरे की स्लाइस, 5 पुदीने की पत्तियां और 2 कप बर्फ को 1 गिलास पानी में डाल दें। भोजन के बाद इसका रोजाना सेवन आपका मोटापा घटाने में मदद करेगा।

4. खीरे और अदरक का जूस
1 चम्मच अदरक, 1 खीरे, 1 नींबू, 1 चम्मच एलोवेरा जूस, और पुदीने की पत्तियों को पीसकर 1 गिलास पानी में डाल लें। रोजाना भोजन करने के बाद इसका सेवन करें। यह जूस वजन तो कम करेगा ही साथ ही बॉडी को भी डिटॉक्स करेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर